धुएं में डूबा शहर

(ग़ज़ल संग्रह)

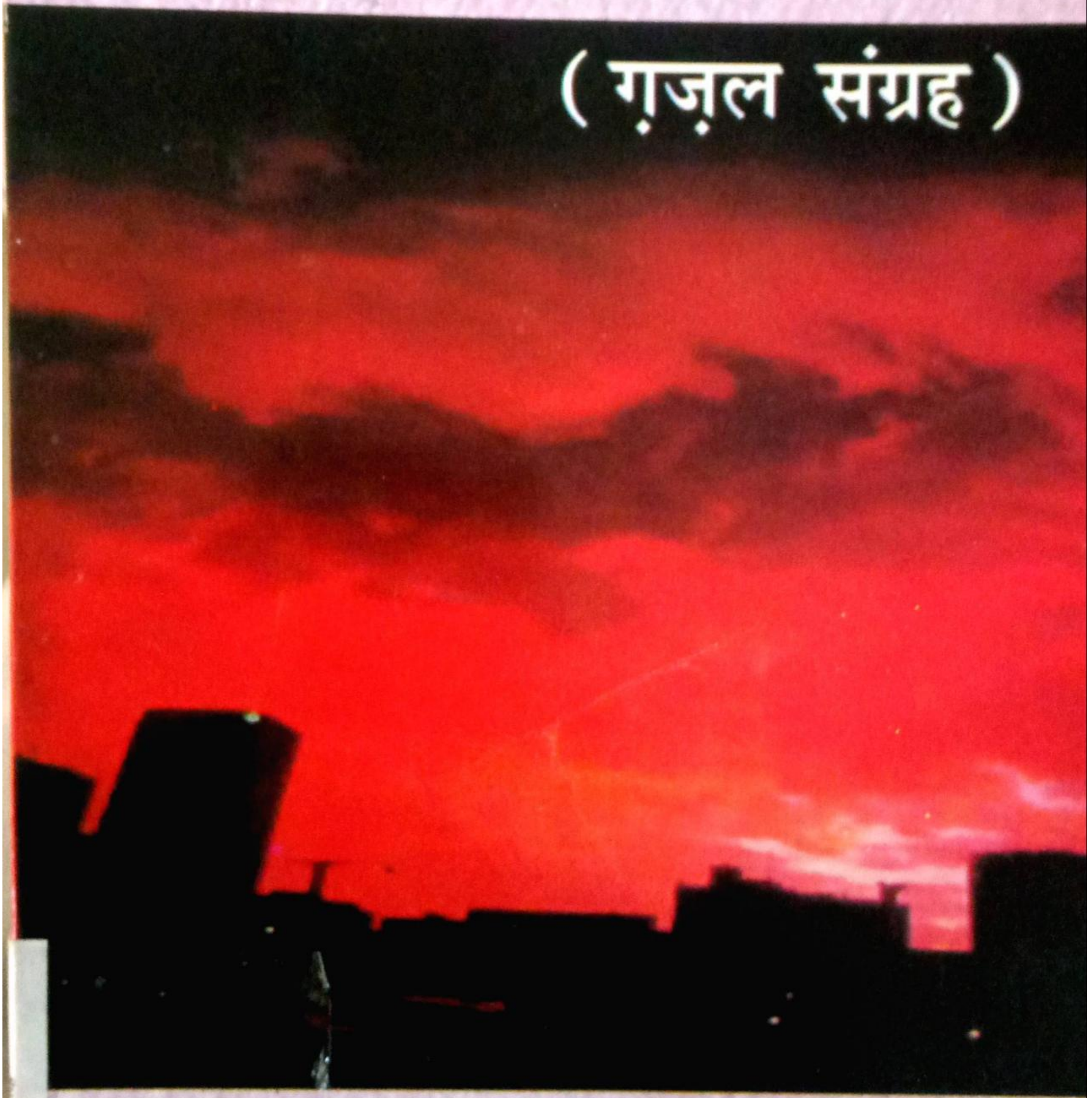

द्वारका लाल 'गुप्त'

Scanned by TapScanner

अनुक्रमांक

संख्या		पृ. सं.
1.	पागल जहां हो गया	9
2.	कैद दिन के उजाले हुए	10
3.	कर प्यार का सलूक	11
4.	खुद ही हबीब हूँ	12
5.	वो आए बहार बन के	13
6.	चरागे जिश्त जलाओ	14
7.	पत्थरों के देवता	15
8.	गर्दिशों के दौर में	16
9.	बातें जो अनकही हैं	17
10.	शोलो को मत हवा दे	18
11.	जीवन के सफर में	19
12.	चिलमन गिरा दिया	20
13.	शमां जो जलती रहे	21
14.	अतीत की यादें	22
15.	धुएं के शहर में	23
16.	दिल में जो बात है	24
17.	सामने आये वो मगर	25
18.	मौसम है खुशनुमा	26
19.	जमाने का बिगड़ा निजाम	27
20.	भीड़ में अपने पराये	28
21.	वो क्या जाने दर्द किसी का	29
22.	वो नंगे पाँव	30
23.	कुछ देर मुझे भी सोने दे	31
24.	तारों की छाँव में	32
25.	सागर की मौज में	33
26.	वफा का सिला	34
27.	नफरत के बादल	35
28.	कितना खुद गर्ज है	36
29.	फैसला है हाथों में	37
30.	छलनी है जिगर	38
31.	राह बेकल की	39
32.	आइने इंसाफ के	40
33.	वायदे किये सभी ने	41
34.	याद आते रहोगे	42
35.	हमसे बिछुड़ गये	43
36.	प्यासा मन	44
37.	कैसे तुम इन्कार करोगे	45
38.	बनकर के राजदां	46
39.	मरने नहीं देते	47
40.	खुदा ये हुस्न आपका	48
41.	दीपक बुझा दिये	49
42.	जिंदगी मौत का सफर	50
43.	वतन फिर याद करता है	51
44.	हादसों से गुजरता जहां	52
45.	तमाशा खुद को बना दिया	53
46.	आग नफरत की	54
47.	हर जुबां पर	55
48.	मौत जब आईना दिखलाएगी	56
49.	धूप और छाँव जलते हैं	57
50.	एक उल्लू ही बहुत है	58
51.	मतलब से आज "बेकल"	59

Scanned by TapScanner

52. बात पते की कहता हूँ 60
53. नजदीक आकर क्या करें 61
54. एतबार न कर 62
55. अकीदत के फूल 63
56. झील के किनारे 64
57. फूल आकाशी 65
58. मरता नहीं है प्यार 66
59. खोटे सिक्के 67
60. कुछ भी कहे जमाना 68
61. रौशनी का मंजर 69
62. तू भी नहीं सुने तो 70
63. आईना बता देगा 71
64. नीयत में खोट है 72
65. तेरा दर्द ही अरदास है 73
66. नाजुक हैं काँच जितने 74
67. अब तो सहर चाहिये 75
68. तेरा इम्तहां कुछ और है 76
69. मुझे आवाज मत देना 77
70. गैरों से क्यूं करे हम 78
71. आदमी का मोल अब 79
72. ईद आ गई 80
73. मौसम की बदगुमानी 81
74. मैं आईना हूँ 82
75. दुनियां में कितने सिकन्दर 83
76. सुहानी रात आई है 84
77. रेत के इक ढरे सी 85
78. कुछ और पकने दीजिए 86
79. छोड़ कर तुम को अकेला 87
80. महफिल जवां हो जाएगी 88
81. होली की बहार 89
82. अपनी-अपनी चाहत 90
83. अतीत 91
84. जीवन की सच्चाई 92
85. लाचार की सदा 93
86. वो रात 94
87. यूं बातों-बातों में 95
88. काँच के खिलौने 96

Scanned by TapScanner